# Pradanya 2017 Media Coverage

नव एक्सप्रेस
दैनिक नवज्योति
जयपुर, गुरुवार, 17 नवंबर 2017

## हैल्थकेयर ईकोसिस्टम में नवीन आईडियाज को क्रियान्वित करने की जरूरत

नव एक्सप्रेस

वर्तमान दौर में हैल्थकेयर ईकोसिस्टम बनाए जाने की आवश्यकता है, जहां आइडियाज को स्थायी रूप से क्रियान्वित किया जा सके और उन पर कार्य किया जा सके। गुरुवार को आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी की 22वीं एनुअल ... खर्च किया जाता है। वर्तमान में हैल्थकेयर क्षेत्र व्यय का कुल 25 प्रतिशत भाग पब्लिक सिस्टम द्वारा और शेष व्यक्ति रूप से वहन किया जाता है। वर्तमान हैल्थकेयर सिस्टम का पुनर्निर्माण करने एवं मजबूत बनाने के लिए इस अंतराल को समाप्त करने की आवश्यकता है।

city भास्कर
JAIPUR, FRIDAY, 17/11/2017

## 2030 तक 75 फीसदी डिजीज नॉन कम्युनिकेबल हो जाएंगी

**हैल्थकेयर में 25 प्रतिशत खर्च पब्लिक के सहयोग से किया जा रहा है, जबकि देश में जीडीपी का 17.3 फीसदी हैल्थकेयर पर खर्च हो रहा है।**

सिटी रिपोर्टर | देश में बेहतर हैल्थकेयर ईको-सिस्टम बनाया जाना चाहिए। हैल्थकेयर में पॉलिसी मेकिंग और इम्प्लीमेंटेशन देश में बड़ी समस्या के रूप में उभर कर आई है। 1950 में 32 साल लाइफ एक्सपेक्टेंसी थी, अब बढ़ कर 67 हो गई है। साल 2030 तक 75 प्रतिशत बीमारियां नॉन-कम्युनिकेबल होंगी। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के 22वें एनुअल कॉन्फ्रेंस 'पारदम्य' के पहले दिन गुरुवार को मुंबई बेस्ड डॉ. रामनारायण ने कहा कि हैल्थकेयर सेक्टर का उद्देश्य ऐसा सिस्टम तैयार करना है जो किफायती हो। भारत में हैल्थकेयर बहुत महंगा हो गया है। पॉलिसी बनाने के बाद सही तरीके से इम्प्लीमेंटेशन को लेकर सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। क्योंकि सिस्टम में खामियों के कारण कमजोर वर्ग इलाज का भरपूर फायदा लेने में असफल है।

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ. एस.डी. गुप्ता ने कहा कि सिटिजन हैल्दी नहीं होंगे तो देश का विकास संभव नहीं है। लाइफ एक्सपेक्टेंसी जो कि 1950 में 32 थी वो बढ़ कर आज 67 साल हो गई है। इंसान की उम्र बढ़ने से आबादी बढ़ रही है और मृत्यु दर कम हो रही है। ट्रेडिशनल हैल्थकेयर की जगह बेहतर हैल्थकेयर पर ध्यान देने की जरूरत है। बदलती लाइफस्टाइल की वजह से नॉन-कम्युनिकेबल डिसीजेज तेजी से बढ़ रही हैं। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के प्रो-प्रेसीडेंट, पी.आर. सोडाणी भी कार्यक्रम का हिस्सा रहे।

दैनिक नवज्योति
जयपुर, गुरुवार, 16 नवंबर 2017

## फ्लैगशिप एनुअल कॉन्फ्रेंस आज से

**जयपुर।** इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (आईआईएचएमआर) में गुरुवार एवं 17 नवम्बर को फ्लैगशिप एनुअल कॉन्फ्रेंस 'प्रदन्या' का 22 वां संस्करण आयोजित किया जाएगा। आईआईएचएमआर के प्रेसीडेंट डॉ. विवेक भंडारी ने बताया कि कार्यक्रम में हैल्थ, रिसर्च, फार्मा एवं डवलपमेंट के मुद्दों पर मंथन किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस की थीम 'इमेजनिंग सस्टेनेबल फ्यूचर्स' है। प्रथम दिन मुख्य वक्ता मुम्बई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, डॉ. राम नारायण होंगे।

बिजनेस रेमेडीज
जयपुर | गुरूवार 16 नवम्बर, 2017

## दो दिवसीय 'प्रदन्या' का आगाज आज से

**जयपुर/कासं।** इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (आईआईएचएमआर) द्वारा 16 एवं 17 नवम्बर को अपने कैम्पस में फ्लैगशिप एनुअल कॉन्फ्रेंस 'प्रदन्या' का 22 वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। आईआईएचएमआर के प्रेसीडेंट डॉ विवेक भंडारी ने बताया कि 'प्रदन्या' स्टूडेंट्स द्वारा संचालित एक अनूठा मंच है, जहां हैल्थ, रिसर्च, फार्मा एवं डवलपमेंट जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंथन किया जाता है। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की हैल्थकेयर इंडस्ट्री की विभिन्न चुनौतियों एवं मुद्दों पर विचार करने, बहस करने और जागरूकता लाना इस कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य है। इस कॉन्फ्रेंस की थीम ष्इमेजनिंग सस्टेनेबल फ्यूचर्स है। दो दिवसीय यह कॉन्फ्रेंस प्रतिभागियों को सस्टेनेबल डिजाइन एवं हैल्थकेयरए मैनेजिंग चेंज इन डिसरप्टिव टाइम्स, एनालिटिक्स, मोबिलिटी, क्लाउड, रर्बन चैलेंजेज एवं अपॉर्च्युनिटीज, टेक्नोलॉजीज, इनोवेशन और वैल बीइंग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए मंच उपलब्ध कराएगी।कॉन्फ्रेंस में निजी एवं सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं एवं सामाजिक विकास क्षेत्र के अधिकारी एवं प्रबंधन पेशेवर, डॉक्टर्स एवं नर्सेज, शिक्षाविद, हैल्थकेयर रिसर्चर्स तथा हॉस्पिटल्स, हैल्थ मैनेजमेंट तथा इनसे सम्बंधित क्षेत्रों के लगभग 600 विद्यार्थी शामिल होंगे।

राष्ट्रदूत जयपुर, 17 नवम्बर, 2017

## 'हैल्थकेयर ईकोसिस्टम बनाए जाने की जरूरत'

जयपुर, (कासं)। वर्तमान दौर में हैल्थकेयर ईकोसिस्टम बनाए जाने की आवश्यकता है, जहां आइडियाज को स्थायी रूप से क्रियान्वित और उन पर कार्य किया जा सके।

गुरूवार को आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी की 22वीं एनुअल कॉन्फ्रेंस प्रदन्या के उद्घाटन सत्र के दौरान कोकिलाबेन हॉस्पिटल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, डॉ. राम नारायण ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि हैल्थकेयर क्षेत्र का प्रमुख मकसद एक ऐसा सिस्टम तैयार करना है जो किफायती, निष्पक्ष, स्वीकार्य और ग्रहण करने योग्य हो। भारत में ...

डेली न्यूज़
जयपुर, शनिवार
18 नवम्बर 2017

## एकत्र करती हैं कचरा

**डेली न्यूज, जयपुर।** जयपुर में तीस हजार महिलाएं कचरा एकत्र करती हैं। ये रोज तीन-चार किमी तक चलती हैं और हर सुबह लगभग 6 लाख किलो कचरा एकत्र करती हैं। यह जानकारी शुक्रवार को अहमदाबाद की पर्यावरण मित्र संस्था के आशीष अग्रवाल ने दी। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के वार्षिक सम्मेलन प्रदन्या के समापन पर उन्होंने यह बात कही।

कोट्टी फाउंडेशन के डायरेक्टर गौरव खंडेलवाल ने कहा कि लैंगिक व सामाजिक भेद समाप्त करके, तकनीक बढ़ा, आधारभूत विकास और बेहतर गवर्नेंस के जरिए चुनौतियों का सामना हो सकता है। ...